बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाना शिक्षक, माता-पिता की जिम्मेदारी : डॉ. मुजूमदार

औरंगाबाद। बच्चों में आत्मविश्वास के विकास के लिए शिक्षकों के साथ ही माता-पिता भी समान रूप से जिम्मेदार हैं। जाति और रंग-रूप के आधार पर बच्चों के साथ भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। बल्कि हमें उनका आत्म-विश्वास विकसित करने पर ध्यान देना चाहिए। प्रतिष्ठित शिक्षाविद और सिम्बियोसिस एजुकेशन इंस्टिट्यूटस के संस्थापक एवं प्रमुख पद्मविभूषण डॉ. एसबी मुजूमदार ने उपरोक्त विचार व्यक्त किए हैं।

मुकुल माधव विद्यालय के चौथे वार्षिक दिवस के अवसर पर डॉ. मुजूमदार ने कहा कि पुराने जमाने में लोगों की पहचान इस आधार पर की जाती थी कि उनके पास कितनी जमीन और रुपया-पैसा है। वर्तमान युग में व्यक्ति की पहचान उसके ज्ञान के आधार पर होती है। 'ज्ञान शक्ति है' और इसलिए हमें ज्ञान की पूजा करनी चाहिए। उन्होंने बिल गेटस और बिल क्लिंटन का उदाहरण दिया। उन्होंने दो पहलुओं-स्वास्थ्य और शिक्षा पर जोर दिया, जो कि समाज की प्रगति के लिए महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि दान करने वाला संग्रह करने वाले से अधिक उत्कृष्ट होता है।

इस अवसर पर सुश्री विद्या येरवड़ेकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थी। मुकुल माधव फाउंडेशन के प्रमोटर प्रल्हाद छाबरिया, एसके जैन, फिनोलैक्स इंडस्ट्रीज लिमिडेट के प्रबंध निदेशक सौरभ धानोरकर, प्रसिद्ध सॉलिसिटर (कानूनी परामर्शदाता) और क्राफोडे बेले एंड कंपनी लॉ फर्म, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नंदकुमार ठाकुर, एडीशनल कलेक्टर अजीत पवार ने आयोजन में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।